हरियाणा HARYANA

GURGAON

186424

बयनामा

विक्रेता श्रीमती अतर कौर — क्रेता मैसर्स दुजबा ओवरसीस प्रा0 लि0

1– किस्म वसीका	:	बयनामा
2– रकबा	:	0 बीघा 18 बीसवा 10 बिस्वासी
3– मालियती	:	49,49,500/– रुपये
4– स्टाम्प/ विवरण	:	2,43,000/– रूपये (25,000 x 9, 15000 X 1, 1000 X 3)
5– स्टाम्प न0/ तारीख	:	5825/26–06–2006 खजाना गुडगाँव
6– गांव/शहर का नाम	:	बसई/गुडगाँव
7– किस्म अराजी	:	चाही

हमके श्रीमती अतर कौर पत्नी श्री धर्मपाल निवासी गॉव गदाईपुर, तह0 व जिला गुडगाँव की हूँ।

R.T.I
अतर कौर

S. No 5825 Dated 26/6/06 Worth Rs. 243000/-
Purchaser Sh. .... Overseas ....
Resident of .... Delhi
Through ....
For ....
Rs. ....

प्रलेख नः 6924 दिनाँक 26/06/2006

डीड संबंधी विवरण	
डीड का नाम SALE OUTSIDE MC AREA	
तहसील/सब-तहसील गुडगांवा	गाँव/शहर बसई — स्थित बसई
भवन का विवरण	
भूमि का विवरण	
चाही	18 Biswa 10 Biswansi
धन संबंधी विवरण	
राशि 4,049,500.00 रुपये	स्टाम्प ड्यूटी की राशि 243,000.00 रुपये
रजिस्ट्रेशन फीस की राशि 500.00 रुपये	पेस्टिंग शुल्क 2.00 रुपये

Drafted By: H.R.Khatana, Adv.

यह प्रलेख आज दिनाँक 26/06/2006 दिन सोमवार समय बजे श्री/श्रीमती/कुमारी Attar Kaur पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री/श्रीमती/कुमारी Dharampal निवासी Idaipur, Gurgaon द्वारा पँजीकरण हेतु प्रस्तुत किया गया।

हस्ताक्षर प्रस्तुतकर्ता

श्री Attar Kaur

उप/सर्युक्त पँजीयन अधिकारी
गुडगांवा

उपरोक्त विक्रेता व श्री/श्रीमती/कुमारी thru:- Harsh Mehra क्रेता हाजिर है। प्रस्तुत प्रलेख के तथ्यो को दोनो पक्षो ने सुनकर तथा समझकर स्वीकार किया। प्रलेख के अनुसार 0.00 रूपये की राशि क्रेता ने मेरे समक्ष विक्रेता को अदा की तथा प्रलेख मे वर्णित अग्रिम अदा की गई राशि के लेन देन को स्वीकार किया।
दोनो पक्षो की पहचान श्री/श्रीमती/कुमारी H.R.Khatana पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री/श्रीमती/कुमारी निवासी Adv. Gurgaon व श्री/श्रीमती/कुमारी Dharampal पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री/श्रीमती/कुमारी Jeewan Ram निवासी Basai, Gurgaon ने की।
साक्षी नः 1 को हम नम्बरदार/अधिवक्ता के रूप में जानते है तथा वह साक्षी नः2 की पहचान करता है।

दिनाँक 26/06/2006

उप/सर्युक्त पँजीयन अधिकारी
गुडगांवा

THE SEAL OF THE SUB REGISTRAR GURGAON

हरियाणा HARYANA

186423

जो कि मै वाका मौजा बसई, तह0 व जिला गुडगाँव में अराजी खेवट नं0 128, खतौनी नं0 201 खसरा न0 223 मिन (0–5), खतौनी नं0 202 खसरा न0 223 मिन (1–12), कुल रकबा 1 बीघा 17 बीसवा मे से 1/2 भाग यानि कि कुल रकबा बाकदर 0 बीघा 18 बीसवा 10 बिस्वासी की मै बरूये जमांबदी सन 1996–97 व बरूये इतकाल न0 5412 द्वारा मालिक व काबिज हूँ। जो कि उपरोक्त रकबा ताहाल हर किस्म के भार से पाक व साफ है। इस पर कोई सरकारी या गैरसरकारी भार व कर्जा नहीं है, ना ही उपरोक्त विक्रय अराजी की बाबत कोई मुकदमा किसी भी अदालत में विचाराधीन है, ना ही उपरोक्त अराजी की बाबत विकेता ने आज से पहले किसी दीगर शक्स के साथ कोई इकरार नामा, बय, रहन, पट्टा, तबादला, हिब्बा, आदि किया हुआ है, ना ही उपरोक्त विक्रय अराजी एक्वारमैंट स्कीम में है, ना ही सरपलस में है, ना ही उपरोक्त अराजी की बाबत अपने किसी कानूनी वारिसान के नाम कोई कोर्ट डिक्री आज से पहले की है। यह की उपरोक्त अराजी जरई को आज तक किसी सरकारी या गैर सरकारी या अन्य किसी संस्था से कोइ नोटिस नहीं मिला है। यानि उपरोक्त विक्रय अराजी ताहाल हर प्रकार के भार से पाक व साफ है व किसी सरकारी या गैर सरकारी या अन्य किसी संस्था का कोई कर्ज या धन राशी बकाया देय नहीं है उपरोक्त रकबे पर बिजली कनैक्शन के सम्बंध मे कोई बिजली का बिल बकाया नही है व यदि कोई बिल प्राप्त होता है या कोई रकम बकाया निकलती

R.T.I

Reg. No.	Reg. Year	Book No.
6924	2006-2007	1

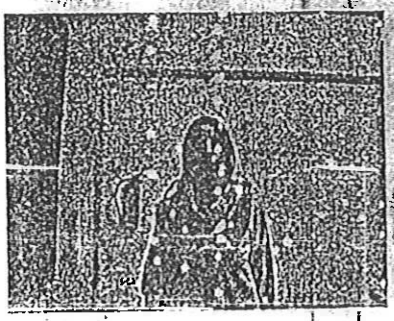

विक्रेता

क्रेता

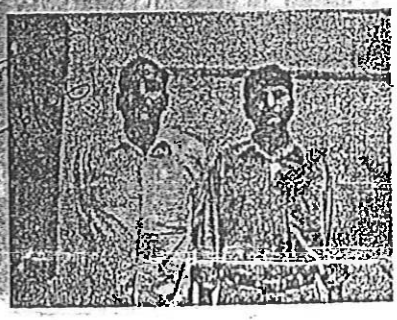

गवाह

विक्रेता
Attar Kaur

क्रेता
thru:- Harsh Mehra

गवाह :- H.R.Khatana Dharampal

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि यह प्रलेख क्रमाक 6,924 आज दिनाँक 26/06/2006 को बही नः 1 जिल्द नः8,482 प्रष्ठ नः 137 पर पैंजीकृत किया गया तथा इसकी एक प्रति अतिरिक्त बही संख्या 1 जल्द नः 1,209 के प्रष्ठ संख्या 37 से 38 पर चिपकाई गयी। यह भी प्रमाणित किया जाता है कि इस दस्तावेज के प्रस्तुतकर्ता और गवाहो ने अपने हस्ताक्षर/निशान अंगुठा मेरे सामने किये है ।

उप/सयुँक्त पैंजीयन अधिकारी
गुडगांवा

दिनाँक 26/06/2006

GURGAON

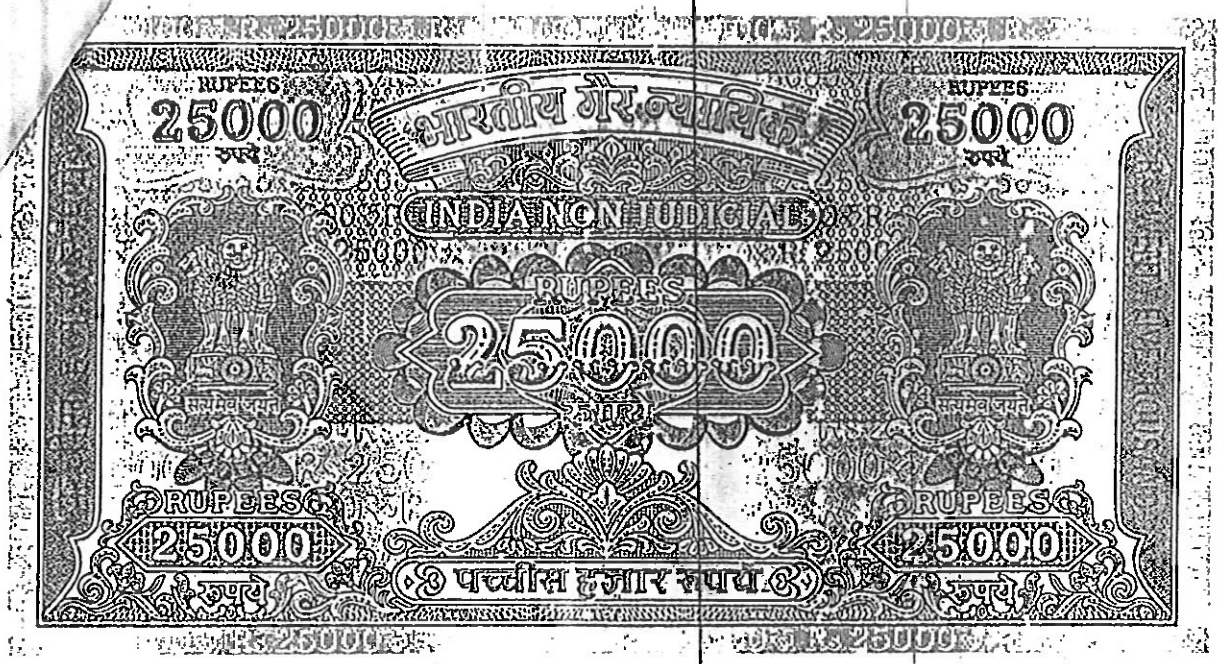

भारतीय गैर न्यायिक

INDIA NON JUDICIAL

RUPEES 25000 रुपये

पच्चीस हजार रुपये

हरियाणा HARYANA

J 86422

है तो उसको जमा कराने की जिम्मेवारी मेरी होगी। अब विक्रेता को बराय सुधार दीगर ज़ायदाद व जरूरत खानगी व परिवार की जरूरत पूरा करने के लिये रूप्यो की जरूरत है इसलिए परिवार के सभी सदस्यो की जानकारी व सहमती से आज अपने ठीक होश व हवास में बगैर किसी दबाव के अपनी मर्जी व खुशी से अपना सम्पूर्ण हिस्सा अपनी उपरोक्त आराजी रकबा यानि कि 0 बीघा 18 बीसवा 10 बिस्वासी को मय सर्व अधिकार सहित व हक हकूक दाखिली खारिज के बदले मु0 40,49,500/– रूप्ये (चालिस लाख उनचास हजार पॉच सौ रूप्ये केवल) आधे जिनके मुबलिग 20,24,750/– रूपये होते हैं, बाहकः मैसर्स द्रुजबा ओवरसीस प्रा0 लि0,, एम - 11, मिडल सर्कल, कनाट सर्कस, नई दिल्ली – 110001 को बय व फरोक्त कतई कर दी है। कुल जरे बय बजरिये चैक व नकद वसूल पा लिए है। अब मजकूर खरीदार कम्पनी के जिम्मे किसी किस्म का कोई लेन–देन बाकी नही रहा है। कब्जा मौके पर मजकूर खरीदार कम्पनी को उपरोक्त रकबा पर देकर पूर्ण रूप से अपने जैसा मालिक व काबिज बना दिया है। मैंने खरीदार कम्पनी को खसरा न0 223 मिन उतर (0 – 18 – 10) कुल रकबा 0 बीघा 18 बीसवा 10 बिस्वासी पर कब्जा दे दिया है, जोकि अभी से पहले सिर्फ मेरा कब्जा ही उपरोक्त रकबे पर था और उपरोक्त रकबा और कीला नम्बरों से हमारे अलावा किसी और और का ना ही कोई वास्ता था और ना ही किसी और का कब्जा उपरोक्त रकबा और कीला नम्बरान पर था

R.T.I. अमरकौर

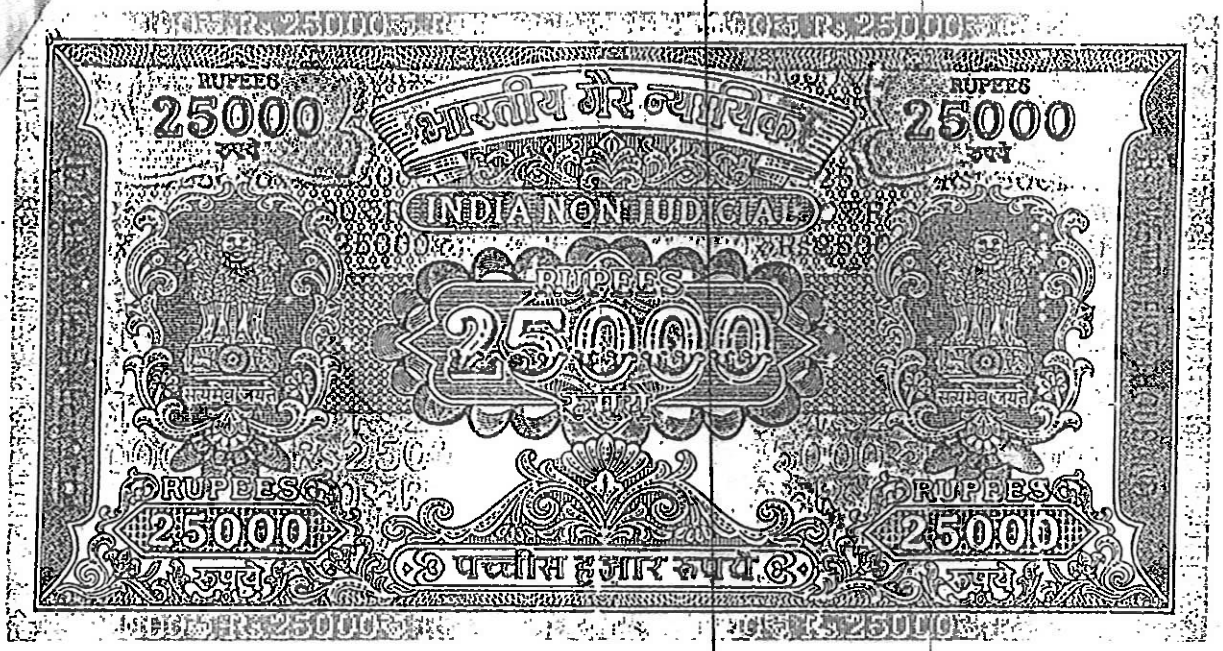

हरियाणा HARYANA

J86421

और यह कब्जा मेटे हिस्से से अधिक भी नहीं है। अब मजकूर खरीदार कम्पनी आराजी मुबईया को जिस तरह चाहे इस्तेमाल करे विकेता को कोई उजर व ऐतराज नहीं होगा। विकेता कागजात माल रिकार्ड में मजकूर खरीदार कम्पनी के नाम दाखिल खारिज दर्ज व मंजूर करा देगा। अगर विकेता कागजात माल रिकार्ड में मजकूर खरीदार कम्पनी के नाम दाखिल खारिज दर्ज व मंजूर ना करा पावे तो मजकूर खरीदार कम्पनी को हक हांसिल होगा कि हजां दस्तावेज की रूह से कागजात माल रिकार्ड में अपने नाम दाखिल खारिज दर्ज व मंजूर करा लेवे जिसमें विकेता को किसी किस्म का कोई उजर एतराज ना होगा। आगे भविष्य में रकबा मजकूरा बाला या इसका कोई हिस्सा किसी नुक्स कानूनी या मलकियत के सवाल पर कब्जा खरीदार कम्पनी से निकल जावेगा तो विकेता वापसी कुल जरे बय मय हरजा वा खरचा मय लागत की अदायगी की जिम्मेवार रहेगा। अब हम व हमारे किसी वारिसान का आराजी मुबईया से कोई ताल्लुक व वास्ता किसी किस्म का नही रहा है । हम व हमारे वारिसान इस तहरीर के पाबन्द रहेगे। तमाम रजिस्टरी खर्चा यानि स्टाम्प डयूटी व रजिस्ट्रेशन फीस इत्यादि खर्चा मजकूर खरीदार कम्पनी ने अपनी तरफ से किया

R.T.I
अमरजीत

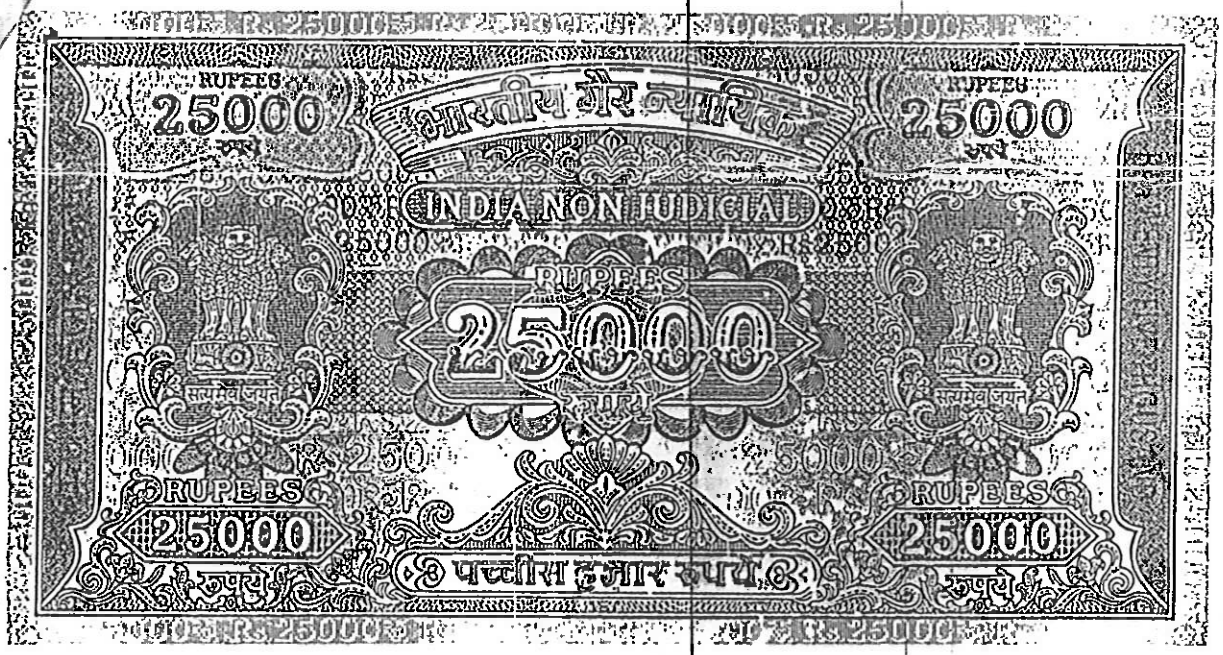

हरियाणा HARYANA

J 186420

है। अतः यह बयनामा खूब सोच समझ कर, पढवा कर, सुनकर हाजिरी गवाहन लिख दिया कि सनद रहे ताकि आगे भविष्य में बावक्त जरूरत काम आवे।

तहरीर तारीख: 26--06--2006

Hem Ram Khatana
Advocate

ह0 श्रीमती अतर कौर विक्रेता

ह0 क्रेता कम्पनी
(बजरिए अधिकृत प्रतिनिधि)

गवाहः 1

गवाहः 2
Dharampal S/0 Late Sh. Jiwan Ram VPO Basai

(12)

वसीका नं० .... बही नं० ....
जिल्द नं० .... पृष्ठ नं० .... पर
दर्ज किया गया नं० ....
जिल्द नं० ....
दिनांक .... को दर्ज रजिस्टर
किया गया।

वसीका नं० 1925 बही नं० 1
जिल्द नं० 5381 पृष्ठ नं० 172 पर
दर्ज 1
जिल्द 808 5
दिनांक 21-6-04 को दर्ज रजिस्टर
किया गया।

सब रजिस्ट्रार
गुड़गाँव

THE SEAL OF
THE SUB REGISTRAR
GURGAON